गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय, हिसार

बी.ए. प्रथम रोगेरटर

HINC 101: हिन्दी अनिवार्य

समय 3 घण्टे

कुल अंक 100
लिखित परीक्षा 80 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन 20 अंक

- ❖ मध्यकालीन काव्य कुंज
- ❖ हिन्दी साहित्य का आदिकाल
- ❖ काव्य शास्त्र पर आधारित विषय
- ❖ वस्तुनिष्ठ :–

- ◆ पाठ्यक्रम में निर्धारित कवि :– कबीरदास, सूरदास, तुलसीदास, मीरॉबाई, बिहारीलाल, घनानन्द, रसखान।
- ◆ पाठ्यक्रम में निर्धारित कवियों की सप्रसंग व्याख्या एवं साहित्यिक परिचय पर परीक्षार्थियों से प्रश्न पूछे जाएंगे।
- ◆ आलोचनात्मक प्रश्न :– पाठ्यक्रम में निर्धारित कवियों के अनुभूतिगत वैशिष्टय तथा अभिव्यक्तिगत सौष्ठव पर ही परीक्षा में प्रश्न पूछे जाएंगे।
- ◆ हिन्दी साहित्य का आदिकाल :–

1. हिन्दी साहित्य इतिहास लेखन परम्परा।
2. हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल विभाजन।
3. आदिकाल का नामकरण।
4. आदिकाल की परिस्थितियाँ।
5. रासों काव्य परम्परा और प्रवृतियाँ।
6. सिदध साहित्य परम्परा और प्रवृतियाँ।
7. नाथ साहित्य परम्परा और प्रवृतियाँ।
8. जैन साहित्य परम्परा और प्रवृतियाँ।

- ◆ काव्य शास्त्र पर आधारित विषय :–

1. काव्य के तत्व।
2. रस का स्वरूप, अवयव।
3. रस के भेद।
4. रस निष्पति।
5. काव्यगुण :– प्रसाद, माधुर्य, ओज।
6. शब्द शक्तियाँ :– अभिधा, लक्षणा, व्यंजना।

7. अलंकार :– अनुप्रास, श्लेष, यमक, उपमा, रूपक, अतिश्योक्ति, मानवीकरण, अन्योक्ति, समासोक्ति।

8. छन्द :– दोहा, चौपाई, सोरठा, बरवै, कुण्डलियां, छप्पय, कवित्त, घनाक्षरी।

पाठ्यक्रम निर्देश और अंक विभाजन

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक होगें। पूरा प्रश्न 20 अंक का होगा। इस प्रश्न में कोई विकल्प नहीं दिया जाएगा। परीक्षार्थियों को 10 से 15 शब्दों में इसका उत्तर लिखना होगा।

2.(क) पाठ्यक्रम में निर्धारित पुस्तक मध्यकालीन काव्य कुंज से व्याख्या के लिए चार प्रद्यांश दिये जाएंगे। परीक्षार्थियों को 2 प्रद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या 5 अंक की होगी। पूरा प्रश्न 10 अंक का होगा।

(ख) पाठ्यक्रम में निधारित कवियों में से 2 का परिचय दिया जाएगा। परीक्षार्थियों को एक प्रश्न का उत्तर लिखना होगा। यह प्रश्न 5 अंक का होगा।

3.(क) निर्धारित पाठ्य पुस्तक से 2 आलोचनात्मक प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थी को एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। इसके लिए निर्धारित अंक 7 होगे।

(ख) परीक्षार्थियों को 4 लघुतरी प्रश्नों में से 2 के उत्तर देने होंगे। प्रत्यके प्रश्न के लिए 4 अंक और पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा।

4.(क) आदिकाल पर आधारित 2 प्रश्नों में से परीक्षार्थियों को 1 प्रश्न का उत्तर देना होगा। जिसके लिए 7 अंक निर्धारित होंगे।

(ख) आदिकाल पर आधारित 4 लघुतरी प्रश्न पूछे जाएगे। परीक्षार्थियों को 2 प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 अंक होंगे। पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा।

5.(क) काव्यशास्त्र पर आधारित 2 प्रश्न दिए जाएंगे। परीक्षार्थियों का 1 का उत्तर लिखना होगा इसके लिए 7 अक निर्धारित होंगे।

(ख) इस प्रश्न में काव्यशास्त्र पर आधारित 4 लघुतरी प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थियों को 2 प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 अंक और पूरा प्रश्न 8 अंक का होगा।

गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय, हिसार

बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर

HINC 102: हिन्दी अनिवार्य

समय 3 घण्टे

कुल अंक 100
लिखित परीक्षा 80 अंक
आन्तरिक मूल्यांकन 20 अंक

निर्धारित पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन :–

- ध्रुवस्वामिनी (नाटक) : जय शंकर प्रसाद।
- हिन्दी साहित्य का भक्तिकाल।
- व्यावहारिक हिन्दी।
- वस्तुनिष्ठ प्रश्न।

○ ध्रुवस्वामिनी (नाटक) से आलोचनात्मक प्रश्न :–

1. ध्रुवस्वामिनी नाटक का प्रतिपाद्य।
2. ध्रुवस्वामिनी नाटक की पात्र योजना।
3. ध्रुवस्वामिनी नाटक की अभिनेयता।
4. ध्रुवस्वामिनी नाटक की संवाद योजना।
5. ध्रुवस्वामिनी नाटक की भाषा शैली।
6. ध्रुवस्वामिनी नाटक का उद्देश्य।

○ हिन्दी साहित्य का भक्तिकाल

1. भक्तिकाल की परिस्थितियाँ।
2. संत काव्य की प्रवृतियाँ।
3. सूफी काव्य की प्रवतिया।
4. राम काव्य की प्रवृतियाँ।
5. कृष्ण काव्य की प्रवृतियाँ।
6. भक्तिकाल : स्वर्णयुग।

○ व्यवहारिक हिन्दी:–

1. भाषा की परिभाषा।
2. भाषा के विविध रूप : बोली, मानक भाषा, राष्ट्र भाषा, माध्यम भाषा, मातृ भाषा।
3. मानक भाषा की प्रमुख प्रवृतियाँ।
4. हिन्दी वर्णमाला : स्वर एवं व्यंजन।
5. हिन्दी वर्तनी समस्या और समाधान।
6. मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ।

गुरूजम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय, हिसार

पाठ्यक्रम (हिन्दी अनिवार्य)

बी॰ए॰ द्वितिय वर्ष तृतीय सेमेस्टर

पेपरः ए **HINC 201 : हिन्दी अनिवार्य**

(शैक्षणिक सत्र 2019–20 से लागू)

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा अंक : 80
आन्तरिक मूल्यांकन अंक : 20
समय : 3 घण्टे

- आधुनिक हिन्दी कविता
- हिन्दी साहित्य का रीतिकाल
- प्रयोजनमूलक हिन्दी : हिन्दी कम्प्यूटिंग और अनुवाद
- पाठ्यक्रम में निर्धारित कविः
- पाठ्क्रम में निर्धारित कवियों की सप्रसंग व्याख्या एवं उनके साहित्यिक परिचय पर परीक्षा में प्रश्न पूछे जाएंगे।

1 आलोचनात्मक प्रश्न पाठ्यक्रम में निर्धारित कवियों के अनुभूतिगत वैशेष्टिय तथा अभिव्यक्तिगत सौष्ठव पर ही परीक्षा में प्रश्न पूछें जाएंगें।

2 हिन्दी साहित्य का **रीतिकाल**

- रीतिकालीन **हिन्दी कविता की पृष्ठभूमि** / रीतिकाल की परिस्थितियाँ
- रीतिकाल का नामकरण
- **रीतिबद्ध काव्य की विशेषताएँ**
- रीति मुक्त काव्य **की विशेषताएँ**
- रीतिकालीन काव्य की उपलब्धियाँ

3 प्रयोजन मूलक हिन्दी : हिन्दी कम्यूटिंग और अनुवाद

- पाठ्क्रम में निर्धारित विषय
- कम्प्यूटर : स्वरूप और महत्व
- ई–मेल : प्रेषण–ग्रहण
- इंटरनेट : स्वरूप और उपयोगिता
- अनुवाद : परिभाषा और स्वरूप, भूमिका, महत्व / प्रकार
- मशीनी अनुवाद

4 वस्तुनिष्ठ प्रश्न–आधुनिक हिन्दी कविता, रीतिकाल, प्रयोजनमूलक हिन्दी : हिन्दी कम्प्यूटिंग एवं अनुवाद।

गुरूजम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय, हिसार

पाठ्यक्रम (हिन्दी अनिवार्य)

बी॰ए॰ द्वितिय वर्ष चतुर्थ सेमेस्टर

पेपरः ए **HINC 202 : हिन्दी अनिवार्य**

(शैक्षणिक सत्र 2019–20 से लागू)

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा अंक : 80
आन्तरिक मूल्यांकन अंक : 20
समय : 3 घण्टे

- कथाक्रम : संपादक डॉ॰ रोहिणी अग्रवाल
- हिन्दी साहित्य का आधुनिक काल : गद्य
- पारिभाषिक शब्दावली
- वस्तुनिष्ठ प्रश्न

(क) पाठ्यक्रम में 'कथाक्रम' से निर्धारित रचनाएं (कहानियाँ)

1. ईदगाह : प्रेमचन्द
2. पुरस्कार : जयशंकर प्रसाद
3. गैंग्रीन : सच्चिदाननद हीरानन्द वात्स्यायन अज्ञेय
4. मलबे का मालिक : मोहन राकेश
5. ठेस : फणीश्वरनाथ रेणु
6. फैसला : मैत्रेयी पुष्पा
7. पच्चीस चौका डेढ सौ : औमप्रकाश वाल्मीकि

(ख) हिन्दी साहित्य का आधुनिक काल :
गद्य पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

- आधुनिक काल की परिस्थितियाँ
- हिन्दी उपन्यास उद्भव और विकास
- हिन्दी कहानी उद्भव और विकास
- हिन्दी नाटक उद्भव और विकास
- हिन्दी निबंध उद्भव और विकास

(ग) पारिभाषिक शब्दावली के निर्धारित विषय

- पारिभाषिक शब्दावली का स्वरुप और महत्व
- पारिभाषिक शब्दावली के गुण
- पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण में सक्रिय -- विविध सम्प्रदाय : राष्ट्रीयतावादी, अन्तर्राष्ट्रीयतावादी, समन्वयवादी।

(घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्न : कथाक्रम, हिन्दी साहित्य का आधुनिक काल : गद्य, पारिभाषिक शब्दावली सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से दिए जाएंगे।

6th Sem

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय हिसार

पाठ्यक्रम हिन्दी (अनिवार्य)

बी॰ए॰ तृतिय वर्ष पाचवाँ समेस्टर

पेपर – ए

HINC 301- हिन्दी (अनिवार्य)

(शैक्षणिक सत्र 2019–20 से लागू)

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा : 80
आन्तरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

(i) निर्धारित पाठ्यक्रम

- समकालीन हिन्दी साहित्य पर आधारित पाठ्य पुस्तक
- हिन्दी साहित्य का आधुनिक काल– कविता
- प्रयोजनमूलक हिन्दीः पत्र लेखन, संक्षेपण तथा पल्लवन

(क) पाठ्य पुस्तक में निर्धारित रचनाकार

1. सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'
2. धर्मवीर भारती
3. श्री नरेश मेहता
4. नागार्जुन
5. रघुवीर सहाय
6. कुवरनारायण
7. लीलाधर जगूड़ी

(i) पाठ्यक्रम में निर्धारित कवियों पर उनके साहित्यिक परिचय, अनुभूतिगत वैशिष्टय तथा अभिव्यक्तिगत सौष्ठव पर ही प्रश्न पूछे जाएँगे। कवियों की विशिष्ट रचनात्मक प्रवृति पर प्रश्न नहीपूछे जाएंगे।

(ख) हिन्दी साहित्य का आधुनिक काल : कविता पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

1. भारतेन्दुयुगीन हिन्दी कविता की प्रवृतियाँ
2. द्विवेदीयुगीन हिन्दी कविता की प्रवृतियाँ
3. छायावाद
4. प्रगतिवाद
5. प्रयोगवाद
6. नयी कविता
7. समकालीन कविता

(ग) प्रयोजनमूलक हिन्दी : पत्र लेखन, संक्षेपण तथा पल्लवन

1. पत्र लेखन स्वरुप और उसके विविध भेद
2. संक्षेपण
3. पल्लवन

(घ) वस्तुनिष्ठ प्रश्न : उर्पयुक्त सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएँगे।

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय हिसार

पाठ्यक्रम हिन्दी (अनिवार्य)

बी.ए. तृतीय वर्ष छटवाँ समेस्टर

पेपर – ए

HINC 302- हिन्दी (अनिवार्य)

(शैक्षणिक सत्र 2019–20 से लागू)

कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा : 80
आन्तरिक मूल्यांकन : 20
समय : 3 घण्टे

(i) निर्धारित पाठ्यक्रम

- नव्यतर विधाओं पर आधारित पाठ्य पुस्तक
- हरियाणवी भाषा औरसाहित्य का इतिहास
- प्रयोजनमूलक हिन्दी: पत्रकारिता

खण्ड(क) पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाकार एव रचना

1. बालमुकुंदगुप्त : आशाकाअंत(निबंध)
2. आचार्य रामचन्द्र शुकल : उत्साह(निबंध)
3. महादेवी वर्मा : गिल्लू(संस्मरण)
4. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी : देवदारू (ललित निबंध)
5. विद्यान निवास मिश्र : मेरेरामकामुकुटभीगरहाहै(ललित निबंध)
6. हरिशंकर परसाई : सदाचारकाताबीज(व्यंग्य)
7. राहुल सांकृत्यायन : तिब्बत के पथपर(यात्रावृत)

(ii) पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाकारों के साहित्यिक परिचय, निबन्धों के विषय तथा कला पक्ष पर ही प्रश्न पूछे जॉएगे

खण्ड(ख) हरियाणवी भाषा और साहित्य का इतिहास पाठ्यक्रम में निर्धारित विषय

1. हरियाणवी भाषाका उद्भव और विकास
2. हरियाणवी भाषा की प्रमुख बोलियॉ
3. हरियाणा की सांगपरम्परा : उद्भव और विकास
4. हरियाणवी भाषा का आधुनिक पद्य और गद्य साहित्य
5. हरियाणवी आधुनिक कविता : परिचय औरप्रवृत्तियॉ
6. हरियाणवी का गद्य साहित्य : उपन्यास, कहानी, नाट्य

खण्ड(ग) प्रयोजनमूलक हिन्दी : पत्रकारिता

1. पत्रकारिता– स्वरूप और प्रकार
2. शीर्षक की संरचना
3. सम्पादक के गुण और दायित्व
4. फीचर लेखन
5. स्वतन्त्र प्रस की अवधारणा

खण्ड(घ) सम्पूर्ण पाठ्य क्रम से वस्तुनिष्ठ प्रश्न

PAPER- II: HINDI [BMC - 102]

Max. Marks – 100 **External -70; Internal -30**
Duration – 3 hrs.

BLOCK - A

Unit - I : अक्षर, वर्ण, स्वर–व्यंजन अन्तस्थ की अवधारणा पद्द, पद, पदबन्ध, शब्द–अर्थ सम्बन्ध।

Unit - II : उच्चारण अवयव, स्थान, प्रयत्न और कार्य, अर्थ की अवधारणा, परिवर्तन के कारण एवं दिशाएं।

BLOCK - B

Unit - I : पर्याय, विलोम, समानार्थी, अनेकार्थी। शब्द रचना, रूप रचना, वाक्य रचना–वर्गीकरण।

Unit - II : संज्ञा, क्रिया, विशेषण, काल, वाच्य।

BLOCK - C

Unit - I : हिन्दी भाषा का विकास–प्राचीन, मध्यकालीन, आधुनिक राज भाषा, राष्ट्र भाषा, सम्पर्क भाषा।

Unit - II : प्रयोजनमूलक हिन्दी – विज्ञान, वाणिज्य राजभाषा, कार्यकालीन भाषा, पत्र लेखन के प्रकार – निमन्त्रण, आदेश, व्यापारिक।

BLOCK - D

Unit - I : संचार भाषा – पत्रकारिता, दृश्य–श्रव्य अवयव, विज्ञापन।

Unit - II : भाषा और बोली, प्रादेशिक बोलिया और उनका वर्गीकरण।

BLOCK - E

Unit - I : समास, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द।

Unit - II : हिन्दी भाषा की शैली – साहित्यिक, औपचारिक, अनौपचारिक, समाज शैली व्यास शैली।

Note:

1. **There will be two sections A & B. (35+35=70). In section A there will be ten short answer type questions out of which the candidate will be required to attempt any seven questions (7×5=35). In section B there will be three questions with internal choice and the candidate will be required to attempt all questions (2×12)+(1×11)=35.**

2. **30% of the maximum marks are allocated for internal assessment based on two assignments (handwritten) of 15% marks each.**

पाठ्यक्रम (हिन्दी अनिवार्य)

बी॰एस॰सी॰ द्वितिय वर्ष तृतीय सेमेस्टर

पेपरः ए **CXL-301(i) : हिन्दी अनिवार्य**

(शैक्षणिक सत्र 2019–20 से लागू)

Credit : 02
कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा अंक : 80
आन्तरिक मूल्यांकन अंक : 20
समय : 3 घण्टे

– अभिनव काव्य गरिमा – महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक प्रकाशन से निम्नलिखित चार कवि और उनका काव्य निर्धारित किए गए है:–

मैथलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद, सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' और रामधारी सिंह दिनकर।

– निबन्ध लेखन : निर्धारित निबन्ध – (1) मानवाधिकार (2) नैतिक शिक्षा (3) मद्यनिषेध (4) विज्ञान और औद्योगिकरण (5) वैज्ञानिक प्रगति में भारत का योगदान (6) वैश्वीकरण और विज्ञान (7) दूरदर्शन (8) समाचार पत्र

– पत्र–लेखन : सरकारी पत्र, अर्धसरकारी पत्र

– वैज्ञानिक शब्दावली – पाठ्यक्रम में 50 शब्द निर्धारित हैं।

1 Aeronautics
2 Afforestation
3 Alloy
4 Amplifier
5 Analysis
6 Antibodies
7 Atmosphere
8 Bicimx Lens
9 Calculating Machine
10 Calibration
11 Caliation
12 Capillary
13 Calculating Machine
14 Caustic
15 Central axis
16 Cerebrum
17 Chromosomes
18 Cluster
19 Coefficient
20 Compound
21 Condensation
22 Convention
23 Convex
24 Comet
25 Decomposition
26 Deflection
27 Dehydration
28 Deffusion
29 Distillation
30 Ecology
31 Elasticity
32 Lectorosmories
33 Equilibrium
34 Equivalent
35 Endothmic
36 Extraction
37 Fermentation
38 Fertilization
39 Freezing
40 Fission
41 Formula
42 Friction
43 Galvanometer
44 Gyration
45 Germicide
46 Gland
47 Graft
48 Heater
49 Homologus
50 Hybrid

पाठ्यक्रम (हिन्दी अनिवार्य)

बी॰एस॰सी॰ द्वितिय वर्ष चतुर्थ सेमेस्टर

पेपरः ए **CXL-401(i) : हिन्दी अनिवार्य**

(शैक्षणिक सत्र 2019–20 से लागू)

Credit : 02
कुल अंक : 100
लिखित परीक्षा अंक : 80
आन्तरिक मूल्यांकन अंक : 20
समय : 3 घण्टे

– आठ एकांकी – सम्पादक देवेन्द्र राज अंकुर, महेश आनन्द ।

निर्धारित एकांकी – औरगजेब की आखिरी रात, लक्ष्मी का स्वागत, रीढ़ की हड्डी, बसन्त ऋतु का नाटक, संस्कार की भावना, बहुत बड़ा सवाल।

निबन्ध लेखन – निर्धारित विषय : 1. महिला अधिकार 2. गाँधी दर्शन 3.शिक्षा और राजनीति 4. विज्ञान और पर्यावरण प्रदूषण 5. विश्वविख्यात वैज्ञानिक और उनके आविष्कार 6. आकाशवाणी 7. कम्प्यूटर तथा इन्टरनेट 8. जनसंख्या विस्फोट।

– पत्र–लेखन : अर्धसरकारी पत्र, तार लेखन।

– वैज्ञानिक शब्दावली : वैज्ञानिक शब्दावली के 50 अंग्रेजी शब्द।

1 Hydration
2 Ignition
3 Indicator
4 Inertia
5 Infection
6 Insulation
7 Intensity
8 Intestine
9 Latent heat
10 Magnetism
11 Melting point
12 Membrane
13 Metamorphosis
14 Microscope
15 Momentum
16 Multiplier
17 Nucleus
18 Nutrition
19 Observation
20 Obtuse angle
21 Orbital
22 Osmosis
23 Ovary
24 Parasite
25 Pendulum
26 Pesticides
27 Pharmaceutical
28 Photo-catalyst
29 Physiology
30 Phenomenon
31 Plasma
32 Pollution
33 Precipitate
34 Projectile
35 Projection
36 Qualitation
37 Quantile
38 Radiation
39 Reflection
40 Reflective index
41 Refrigeration
42 Remainder theorem
43 Resonance
44 Relic
45 Spectrum
46 Sublimation
47 Thermoscope
48 Velocity
49 Vibration
50 Virus

BAMC- 104

Language and Media-1 (Hindi)

Time: 3 Hrs.

Theory Marks: 80
Internal Assessment: 20

For the end of the semester examinations, nine questions are to be set by the examiner. First Question will be compulsory of 20 marks based on the entire syllabus. It will contain ten short answer type questions, each of two marks. Students are required to attempt any four questions out of remaining eight questions. All questions will carry equal marks.

इकाई–1

- हिंदी भाषा का सामान्य परिचय : भाषा का अर्थ ,परिभाषा एवं अवधारणा,
- ,हिंदी भाषा की उत्पति और विकास,
- हिंदी की प्रमुख बोलियां एवं परिचय,
- देवनागरी लिपि–मानकीकरण तथा वैज्ञानिक स्वरूप

इकाई–2

- शब्द सामर्थ्य : उपसर्ग, प्रत्यय, शब्दभेद, शब्द स्त्रोत, तत्सम,तद्भव, विदेशी,
- विलोमार्थक शब्द, अनेकार्थक शब्द, पर्यायवाची, शब्द शुद्धि, शब्द शक्ति

इकाई–3

- हिंदी लेखन : लेखन का अर्थ, परिभाषा एवं अवधारणा
- लेखन के प्रकार , सृजनात्मक लेखन, पत्रकारिता लेखन, पटकथा लेखन, नाटक लेखन, कहानी लेखन, कविता लेखन, साहित्यिक लेखन।

इकाई–4

- प्रिंटमीडिया की भाषा : प्रिंट मीडिया का स्वरूप, प्रिंट मीडिया लेखन के प्रकार
- प्रिंट मीडिया की भाषा का विकास–प्रिंट मीडिया की भाषा के विविध रूप, उपयोग, महत्व और सीमाएं।

संदर्भ पुस्तकें :

- भाषा और हिन्दी भाषा का इतिहास, प्रो. नरेशमिश्र, वाणी प्रकाशन
- व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण, डॉ महेन्द्रकुमारमिश्रा, भारतीय पब्लिशिंगहाउस
- मीडियालेखन, डॉचन्द्रप्रकाश, संजय प्रकाशन
- शब्दार्थप्रयोग, डॉहरदेवबाहरी, अभिव्यक्तिप्रकाशन
- आधुनिकमीडियालेखन एवंहिन्दीरचना, डॉअशोक बत्रा, लक्ष्मी पब्लिकेशन